भा. कृ. अनु. प. – राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर
ICAR - National Soybean Research Institute, Indore

सोया कृषकों के लिए साप्ताहिक सलाह (2026)

Weekly Soybean Advisories for for Soybean Growers (2026)

फा.क्र./File No. टेक 10-6/2026 खरीफ 2026

File. No. Tech 10-6/2026/Weekly Soybean Advisory **Date: 22.06.2026**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (22-28 जून 2026 / 22-28 June 2026)

सोयाबीन की बोवनी के लिए जून माह के तीसरे सप्ताह से जुलाई माह के प्रथम सप्ताह का समयावधि उत्पादन की दृष्टि से सबसे उपयुक्त देखा गया हैं. लेकिन इस वर्ष सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में अभी तक मानसून का आगमन नहीं हुआ हैं. प्राप्त समाचारों के अनुसार मानसून का आगमन जून माह के अंतिम दिनों में या जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में आने का अनुमान हैं. ऐसी स्थिति में सोया कृषकों को सलाह दी जाती है कि मानसून के आगमन पश्चात न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने पर ही सोयाबीन की बोवनी करें. अल नीनो के कारण सुखें की संभावित स्थिति की जोखिम को कम करने हेतु कम/मध्यम समयावधि में पकने वाली एक से अधिक किस्मों का चयन करें तथा सूखे एवं अतिवर्षा के प्रभाव से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए BBF/रिज फरो/रेज बीएड से बोवनी करने को प्राथमिकता दे. साथ ही उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से कृपया निम्नलिखत सस्य क्रियाओं के अनुपालन करें.

The period starting from third week of June to First Week of July is considered to be the optimum for soybean sowing. However, this year, the arrival of the monsoon in most of the soybean growing areas is delayed. As per the reports, the monsoon is expected to arrive during the last few days of June or first week of July. In this situation, soy farmers are advised to conduct of soybean crop only after the arrival of monsoon in their area and receipt of 100 mm rainfall. In light of the forecasts regarding El Niño this year, farmers are advised to give priority to grow at least two soybean varieties with early or medium maturity duration, use of BBF/Ridge & Furrow/Raised bed planting method in order to avoid risk due to expected drought situation or long dry spells. They are also advised to adopt following agronomic practices to ensure yield stability.

1.	सोया कृषकों को सलाह हैं कि अपने क्षेत्र में मानसून के आगमन तथा न्यूनतम 100 मिमी. वर्षा होने के पश्चात ही सोयाबीन की बोवनी करें. देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन की किस्में, बोवनी का उपयुक्त समय, बीज दर एवं कतारों की दुरी बाबत जानकारी परिशिष्ट 1 में दी जा रही हैं. Farmers are advised to go for sowing only after the onset of monsoon and receipt of 100 mm rainfall in your area. The zone-wise information on optimum time of sowing, spacing and seed rate, nutritional dose is given in attached Annexure 1.
2.	प्रत्येक वर्ष एक ही किस्म की खेती के विपरीत अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल विभिन्न समयावधि में पकनेवाली न्यूनतम 2-3 नोटिफाइड सोयाबीन की किस्मों की खेती करें. Instead of sowing single popular variety every year, cultivation of more than 2-3 soybean varieties (having varied maturity duration) is advised.

3.	**अंतरवर्ती फसलों का प्रयोग:** असिंचित क्षेत्रों में जहां रबी की फसल लेना संभव नहीं हो वहां सोयाबीन के साथ अरहर की अंर्तवर्तीय फसल उगाना अधिक लाभकारी है। जबकि सिंचित क्षेत्रों में सोयाबीन के साथ मक्का, ज्वार, कपास, बाजरा, आदि अंर्तवर्तीय फसलों की काश्त करें, जिससे रबी फसल की बौवनी पर प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार फल बागों में बीच की खाली जगह में भी सोयाबीन की खेती की जा सकती है।	
	Intercropping in Soybean: Growing of soybean with Pigeon pea in 4:2 is found most remunerative in case of rainfed farming systems. Whereas, intercrops like maize, sorghum, cotton, pearl millet mature along with the main crop facilitating sowing of subsequent *rabi* crops, are therefore recommended. Similarly, the intercropping is also recommended in between the orchards.	
4.	**बीज अंकुरण की जांच**: बोवनी के लिए चयनित किस्मों के बीज का अंकुरण परिक्षण न्यूनतम 70% अंकुरण सुनिश्चित करें. **Seed Germinability**: Carry out germination test for available seed of selected soybean varieties which should be minimum 70%.	
5.	**पोषण प्रबंधन:** अपने खेत की उर्वराशक्ति बनाये रखने हेतु बोवनी से पहले ही अनुशंसित कार्बनिक खाद (गोबर की खाद/कम्पोस्ट @ 5-10 टन/हे या मुर्गी की खाद @2.5 टन/हे.) डालें. इसके अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. देश के विभिन्न क्षेत्रो के लिए अनुशंसित पोषक तत्वों की आवश्यकता एवं उनकी पूर्ति हेतु स्त्रोतो के विभिन्न विकल्प की जानकारी परिशिष्ट 1 में दी जा रही हैं. **Fertilizer Application:** In addition to organic manures (FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha applied before sowing), farmers are advised to apply the recommended quantity of all the nutrients (25:60:40:20 N:P_2O_5:K_2O:S kg/ha). The nutritional dose recommended for different areas of the country are given in attached annexure 1:	
6.	**कतारों/पौधों की दुरी, गहराई एवं बीज दर,**: कृषकों को सलाह हैं कि शीघ्र एवं मध्यम समयावधि (90-100) में पकने वाली किस्मों को 30 सेमी कतारों की दुरी पर बोये तथा पौधों से पौधों की दुरी 5-7 सेमी रखे. ऐसा करने पर अच्छी अंकुरण क्षमता वाले बीज (न्यूनतम 70% अंकुरण क्षमता) की लगभग 80-90 किग्रा मात्रा पर्याप्त होगी. जबकि अधिक समयावधि (90-100 दिन) में पकने वाली किस्मों किस्मों को 45 सेमी कतारों की दुरी पर बोये तथा पौधों से पौधों की दुरी 5-10 सेमी रखे. ऐसा करने पर अच्छी अंकुरण क्षमता वाले बीज (न्यूनतम 70% अंकुरण क्षमता) की लगभग 65-70 किग्रा मात्रा पर्याप्त होगी. Farmers are advised to sow the soybean crop using spacing of 30 × 5-7cm and seed rate of 80-90 kg for short/medium duration soybean varieties which matures within 90-100 days while long duration soybean varieties can be sowing at a spacing of 45cm × 5-10cm and seed rate of 65-70 kg based on 70%germinability.	
7.	**अल नीनो/** सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी विपरीत परिस्थितियों में फसल को सुरक्षित करने हेतु सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्रणाली या रेज बेड पद्धतियों का उपयोग करें. Farmers are advised to sow the soybean crop using Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow or Raised Bed methods of planting considering the Al-Nino/long dry spell and other climatic adversities. These planting methods save the crop from unfavorable incidences (drought or heavy rains)	

8.	**बीजोपचार (FIR पद्धति) Seed Treatment-FIR Method :** **अ. फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से बीजोपचार**: सोयाबीन फसल की प्रारंभिक अवस्था में रोग तथा कीटो से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक हैं. इसके लिए अनुशंसित FIR विधि में शामिल फफूंदनाशक एवं कीटनाशकों की सूचि एवं मात्रा की जानकारी के लिए कृपया परिशिष्ट 2 देखें.	
	A. In order to save early stage crop from diseases and insects and ensure proper plant population, it is recommended to treat the seed with fungicides and insecticides using FIR sequence. The list of recommended chemicals for seed treatment is given in Annexure-2.	
	ब.जैविक कल्चर से टीकाकरण: सोयाबीन की बोवनी करते समय बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम् प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज कि दर से करे . कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक ट्रायकोडर्मा (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता हैं. (बीजोपचार एवं टीकाकरण में निश्चित क्रम (फफूंदनाशक-कीटनाशक-जैविक कल्चर का अनुपालन करें).	
	B. Seed Inoculation: During sowing, it is advised to inoculate the seed with Bradyrhizobium *japonicum* and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. *Trichoderma viride* (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. The seed should be treated in FIR order ie.treat first with fungicide followed by insecticide and then by Bradyrhizobium culture	
9.	**खरपतवारनाशी का प्रयोग:** कृषकगण अपनी सुविधा के अनुसार केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुशंसित खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण हेतु कर सकते हैं (परिशिष्ट 2) . कृषकों को सलाह हैं कि खरपतवारनाशकों के उपयोग हेतु पर्याप्त पानी (नेपसेक स्प्रेयर से प्रति हेक्टर 450-500 लीटर जबकि पॉवर स्प्रेयर से 120 लीटर/हे.) का उपयोग करें. **Use of herbicides for weed control**: Farmers are advised to select any one of the PPI or Pre-emergence herbicides recommended (Annexure-2) by CIB, GOI as per his convenience. Howver, it is suggested to use sufficient water (450-500 liter using knapsack sprayer or 120 liter in case of power sprayer.)	

परिशिष्ट 1 Annexure 1

देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन किस्में, बोवनी का उपयुक्त समय, एवं बीज दर तथा बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक एवं खरपतवारनाशकों की सूची

Zone-wise recommended soybean varieties, sowing time, seed rate and list of recommended fungicides and herbicide for soybean

अ. देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन की उन्नत किस्में

A. List of Soybean varieties recommended for different areas.

(मध्य क्षेत्र : मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र Central Zone: **Madhya Pradesh, Bundelkhand Region of Uttar Pradesh, Rajasthan, Gujarat, North-West Region of Maharashtra :** JS 24-33, NRC 150, JS 21-72, NRC 142, JS 23-03, JS 23-09, MAUS 731, Gujarat Soya 4, JS 22-12, JS 22-16, NRC 165, NRC 157, MAUS 725 (Maharashtra*), Phule Durva (KDS 992 Maharashtra*), RVSM 2011-35, AMS 100-39 (PDKV Amba), MACS 1520, RSC 10-46, RSC 10-52, AMS-MB-5-18 (Suvarn Soya), Gujarat Soybean-4, Sorath Sonali (Gujarat)*, MAUS 725, Phule Durva (KDS 992)*, MAUS 731 (Marathwada)*
2. पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल **Eastern Zone: Chhattisgarh, Jharkhand, Bihar, Orissa and West Bengal** एवं 3. उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रः असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम **Northern Hill Zone: Assam, Meghalaya, Manipur, Nagaland, & Sikkim :** RSC 11-35, RSC 10-71, RSC 10-52, Birsa Soya-4 (Jharkhand*), MACS 1407, MACS 1460, NRC 128, RSC 11-07 and RSC 10-46
4. उत्तरी मैदानी क्षेत्रः पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी उत्तराखण्ड व पूर्वी बिहार **Northern Plain Zone: Punjab, Haryana, Delhi, North Eastern Plains of Uttar Pradesh, Plains of Uttarakhand and Eastern Bihar:** Pusa Soybean 21, NRC 149, Pant Soybean 27, PS 1670, SL 1074, SL 1028, NRC 128, Uttarakhand Black Soybean (Bhat 202-Uttarakhand*) SL 979, SL 955, Pant Soybean 26 (PS 1572), PS 1368, PS 24 (PS 1477), VLS 89
5. उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र: (Northern Hill Zone) : शालीमार सोयाबीन-3 (SKAU-S-3), Himachal Pradesh and Hill Region of Uttarakhand NRC 197, VLS 99, Him Palam Soya-1 (Himachal Pradesh*), Pant Soybean 25 (PS 1556), Shalimar Soybean-1 (J&K)
6. दक्षिणी क्षेत्रः कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग: **Southern Zone:** Karnataka, Tamil Nadu, Telangana, Andhra Pradesh, Southern Part of Maharashtra: ALSB 50 (Telangana*), MAUS 725 (Maharashtra*), Phule Durva (KDS 992 (Maharashtra*) NRCMACS 1667, NRC 142, MACS 1460, NRC 132, DSb 34, KDS 753 (Phule Kimaya), KBS 23 (Karnataka*)

ब. सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय, बीज दर, पोषक तत्वों की मात्रा एवं स्त्रोत

क्षेत्र	उचित बुआई का समय *	बीज दर (कि.ग्रा/.हे)	दुरी (सेमी)	एनःपीःकेःएस (कि.ग्रा/.हे.)	उर्वरकों के स्त्रोत एवं मात्रा **
मध्य	जून 20- 5जुलाई	65-80	30-45	25:60:40:20	56 कि .ग्रा युरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी	15- 30जून	55	45	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

उत्तर मैदानी	जून 20- 5जुलाई	65	45	25:75:25:37.5	56 कि .ग्रा युरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि. ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
पूर्वी	15- 30जून	55	45	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण	15- 30जून	65	30	25:80:20:30	56 कि .ग्रा युरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

* मानसून आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** सोयाबीन की बोवनी के समय कन्सोर्शिया द्वारा टीकाकरण करने से अनुशंसित उर्वरकों की मात्रा में 25% तक कटौती की जा सकती हैं.

B. Optimum sowing time, seed rate and list of recommended fungicides and herbicide for soybean

Zone	Time of sowing *	Seed Rate (kg/ha)	Spacing cm	NPKS (kg/ha)	Fertilizer Sources and Quantity**
Central	June 20-5th July	65-80	30-45	25:60:40:20	56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MOP
North-East Hill	15th to 30th June	55	45	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Northern Plain	June 20-5th July	65	45	25:75:25:37.5	56 kg Urea+470 kg SSP+ 42 kg MOP
Eastern	15th to 30th June	55	45	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Southern	15th to 30th June	65	40	25:80:20:30	56 kg Urea+500 kg SSP+34 kg MOP

* After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall ** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

स. सोयाबीन में अनुशंसित फफुन्दनाशक+कीटनाशक से बीजोपचार पश्चात जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया के प्रयोग से से उर्वरकों की संतुलित मात्रा में 25 % कटौती बाबत उर्वरकों की मात्रा का तुलनात्मक विवरण

पोषक तत्व/उर्वरकों का प्रयोग Application of Nutrients/fertilizer sources 25:60:40:20 एन:पी:के:एस (कि.ग्रा/.हे.) NPKS (kg/ha)	
जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया की अनुपस्थिति में संतुलित पोषक तत्वों की मात्रा Without using consortia	फफुन्दनाशक+कीटनाशक से बीजोपचार पश्चात जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया के प्रयोग से से उर्वरकों की संतुलित मात्रा में 25 % कटौती
1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा**	1. यूरिया 40 कि.ग्रा. + 280 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश **अथवा**
2. डी.ए.पी 140 किग्रा किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा**	2. डी.ए.पी 100-105 किग्रा .+ 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर **अथवा**
3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर	3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @150 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर
4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सलफेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)	4. आवश्यकताअनुसार 25 kg जिंक सलफेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)

C. Comparison of Quantity of Fertilizers in reducing the Nutritional dose when Consortia is used as seed inoculant

	Quantity of Fertilizers When Consortia is not used	Quantity of Fertilizers When Consortia is used
1	56 kg Urea+375-400 kg SSP + 67 kg MOP	40 kg Urea+280 kg SSP+50 kg MOP
2	140 kg DAP + 67 kg MOP + 25 kg Bentonite Sulphur	100-105 kg DAP+50 kg MOP+ 25 kg Bentonite Sulphur
3	200 kg Complex Fertilizer 12:32:16 + 25 kg Bentonite Sulphur	150 kg Complex Fertilizer 12:32:16 + 25 kg Bentonite Sulphur

द. केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा सोयाबीन में **बीजोपचार हेतु अनुशंसित रसायन एवं मात्रा**

बीजोपचार हेतु अनुशंसित रसायन (फफूंदनाशक)	अनुशंसित मात्रा
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफिनेट मिथाईल 11.25%+ थायामेथोक्साम 25% एफ .एस.	10 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज
ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 6%+ थियोफैनेट मिथाइल 9.5% थाइमेथोक्सम 24% एफएस	2 मिली/किग्रा बीज
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 1.5% + कार्बेन्डाजिम 8 थायामेथोक्साम 30% एफएस w/w)	100ग्राम
पेनफ्लूफेऩ+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन FS	.08-1 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा/.कि.ग्रा .बीज
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा/.कि.ग्रा .बीज
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed
बीजोपचार हेतु अनुशंसित कीटनाशक	
थायोमिथोक्सम 30 FS	10 मि.ली/.कि.ग्रा .बीज
इमिडाक्लोप्रिड 48 FS	1.25 मि.ली/.कि.ग्रा.बीज

E. Recommended chemicals and their quantity to be used during seed treatment of soybean

Recommended Fungicide for Seed Treatment	
Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 ml/kg seed
Trifloxystrobin 6% +Thiophanate Methyl 9.5%+Thaimethoxam 24% FS	2 ml/kg seed
Azoxystrobin 1.5% + Carbendazim 8.0% + Thiamethoxam 30% FS w/w	100 g
Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS	0.8-1 ml/kg seed
Carboxin37.5%+ Thiram37.5%WS	3g/kg seed
Carbendazim + Mancozeb WP	3g/kg seed
Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 ml/kg seed
Recommended Insecticide for seed treatment	
Thiamethoxam 30 FS	10 ml/kg seed
Imidacloprid 48 FS	1.25 ml/kg seed

परिशिष्ट Annexure 2

केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड, भारत सरकार द्वारा दिनांक 31.03.2026 को जारी अनुशंसित खरपतवारनाशक, कीटनाशक एवं फफूंदनाशकों की सूची

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.
		फ्लूक्लोरलिन 45% EC	2.22-3.33 l/ha
2	बौवनी के तुरन्त बाद(पीई)	पाइरोक्सासल्फोन 63.75 % + डाइक्लोसुलम 13.00 % W/W WG	200 ग्रा.
		मेटोलाक्लोर 35.98% + सल्फेंट्राजोन 11.51% w/w EC	2.5ली.
		डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.

2. List of herbicides PPI and PE herbicides recommended for soybean (as per CIB lable claims 31.03.2026)

S.No.	Application Timing	Chemical Name / Formulation	Dose per Hectare
1	**Pre-Plant Incorporation (PPI)**	Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE (22.5 + 875 a.i. ha)	2.51 L
		Pendimethalin + Imazethapyr	2.5–3.0 L
		Fluchloralin 45% EC	2.22–3.33 L
2	**Pre-Emergence (PE)** (Immediately after sowing)	Pyroxasulfone 63.75% + Diclosulam 13.00% W/W WG	200 g
		Metolachlor 35.98% + Sulfentrazone 11.51% w/w EC	2.5 L

		Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	2.51 L
		Diclosulam 84 WDG	26–30 g
		Sulfentrazone 39.6 SC	0.75 L
		Clomazone 50 EC	1.50–2.00 L
		Pendimethalin 30 EC	2.50–3.30 L
		Pendimethalin 38.7 CS	1.50–1.75 kg
		Flumioxazin 50 SC	0.25 L
		Metribuzin 70 WP	0.75–1.00 kg
		Sulfentrazone + Clomazone	1.25 L
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g
		Metolachlor 50 EC	2.00 L

****